

Model Question

Class - XII: HINDI : 80 Marks : 2020-2021

खण्ड : क

प्रश्ने का उत्तर लिखिए :

1 x 20

- 1) महोदवी वर्मा की सब रचना का नाम लिखिए।
- 2) भक्ति का मूल नाम क्या था?
- 3) बाजार दर्शन पाठ की लेखक का नाम लिखिए।
- 4) बाजार दर्शन पाठ गद्य साहित्य की कौन सी विधा है ?
- 5) लेखक जैनेन्द्र कुमार की सुक रचना का नाम लिखिए।
- 6) बाजारुपन का क्या तात्पर्य है ?
- 7) काले मेघा पानी दे- पाठ के लेखक कौन है?
- 8) लोगों ने लड़को भी टोली के मेढक-मंडली क्यों कहा है ?
- 9) 'रामचरित मानस' किसकी रचना है ?
- 10) तुलसीदास के काव्य का विषय-वस्तु क्या है?
- 11) कवि निराला जी का पूरा नाम एवं रचना का नाम लिखिए।
- 12) कवि निराला जी ने बादल को किस रूप में चित्रित किया है।
- 13) सहर्ष स्वीकारा है - कविता के कवि कौन है ?
- 14) निशा निमंत्रण-किसकी रचना है?
- 15) सहर्ष स्वीकारा है - का क्या तात्पर्य है?
- 16) कवि हरिवंश राय बच्चन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
- 17) अनुप्रास अलंकार का एक अदाहरण लिखिए।
- 18) शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है?
- 19) रीतिकाल के एक प्रमुख कवि का नाम लिखिए।
- 20) आधुनिक काल का समय कब से कब तक माना जाता है?

खण्ड : ख

21) निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए :

जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है।
हसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सन
यह विचार वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ जाग्रत है अपलक है —
सवेदन तुम्हारा है।
i) पद्यांश का प्रसंग लिखिए।
(ii) पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट किजिए।

2+3

22) पद्यांश के अनुसार प्रश्नों का उत्तर लिखिए :

5

किसवी, किसान-कुल, वनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल, नट, चोर, चेत की।
पेट की पढत, गुन, गटन, चढन गिरि

अटत गहन-गन अहन अखेतकी।।
 उचे-नीचे करम, धरम अधरम करी
 पेट ही को पचत, वेचन बेटा बेटकी।।
 तुलसी बुझाइ एक राम धनश्याम ही ने,
 आगी वड़वागिनी बड़ी है आगी पेट की।।

(i) यह पद्यांश कहाँ से लिया गया है?

(ii) इसके कवि का नाम लिखिए।

(iii) पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

1+1+3

23) गद्यांश के आधार पर प्रश्न के उत्तर लिखिए :

भक्तिन और मेरे बीच मे सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा ना सके और कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का ओदश पाकर अवज्ञा से हंस दें। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में वारी-वारी से आने-जाने अधेरे-उजाले और आंगन में फुलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देने हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकाश के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए हैं।

(i) गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) भक्ति कौन थी?

(iii) गद्यांश में किनके सम्बन्धों की चर्चा किस रूप में की गई है?

2+1+2

24) नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर लिखिए :

फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछें, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श-समाज स्वतन्त्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श-समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अवाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतन्त्र है।

(i) अवतरण के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) लेखक के अनुसार आदर्श-समाज कैसा होना चाहिए?

(iii) लोकतन्त्र का वास्तविक रूप किसे कहा गया है?

खण्ड : ग

25) किन्ही दो प्रश्न के उत्तर लिखिए :

5+5

(क) भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियों का वर्णन किजिए।

(ख) हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन के नामकरण का उल्लेख कीजिए।

(ग) निबन्ध या कहानी के उद्भव एवं विकास का उल्लेख कीजिए।

26) यमक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

2+2=4

27) रस किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

2+1=3

28) दोहा या चौपाई छंद की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

2+1=3

29) अपने नगर में पीने के पानी की समस्या के विषय में बताते हुए नगर निगम अधिकारी को प्रार्थना पत्र लिखिए।

10

अथवा

अपने विद्यालय में हिन्दी सहायक अध्यापक के पद के लिए विद्यालय सचिव को आবেदन पत्र लिखिए।

30) किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

10

(क) मेरा भारत महान।

(ख) राष्ट्र के प्रति विद्यार्थी के कर्तव्य

(ग) मेरा प्रिय कवि/लेखक

(घ) मेरे जीवन का लक्ष्य।